तत्काल

विधानसभा प्रश्न

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

शिक्षा निदेशालय, पुराना सचिवालय, दिल्ली

विधायी कार्य शाखा / प्रश्न कक्ष

संख्याःडी0ई0–25 (13)/154/ वि0कार्य / 2017–18 / विभिन्न / खण्ड–II/ 609 दिनांक 22/3/18

सेवा में,

उपसचिव, (प्रश्न कक्ष)

दिल्ली विधान सभा सचिवालय,

पुराना सचिवालय, दिल्ली 110054

विषयः– विधानसभा ~~तारांकित~~ / अतारांकित / ~~आश्वासन~~ संख्या 231 दिनांक 23.3.18 के सन्दर्भ में।

महोदय,

आपकी सेवा में दिनांक 23-3-18 को विधानसभा में पूछे गये उपरोक्त ~~तारांकित~~ / अतारांकित प्रश्न / ~~आश्वासन~~ संख्या की 100 प्रतिलिपियॉ भेजने का निर्देश हुआ है। जोकि आपको प्रेषित है।

संलग्नकः– उपरोक्तानुसार

उप शिक्षा निदेशक,
(विधायी कार्य शाखा)

विभाग का नाम :– शिक्षा विभाग

विभाग का पता :– पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054

अतारांकित प्रश्न संख्या :– 231

दिनांक :– 23.03.2018

प्रश्नकर्ता का नाम :– श्री ओम प्रकाश शर्मा

क्या उप मुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:–

<table>
<tr><th>प्रश्न</th><th>उत्तर</th></tr>
<tr><td>(क) क्या यह सत्य है कि गत दो वर्षों में दिल्ली के 98,000 विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूलों को छोड़कर अपनी पढ़ाई बन्द कर दी;</td><td>जी नहीं।</td></tr>
<tr><td>(ख) क्या यह भी सत्य है कि गत दो वर्षों में सरकार शिक्षा पर 1982 करोड़ रुपये व्यय नहीं कर पाई;</td><td>पुनः निर्धारित आंकलन के अनुरूप शिक्षा विभाग को वित्त वर्ष 2015–16 में रू. 285207.18 लाख आवंटित किया गया था जिसमें से रू. 259008.74 लाख का व्यय हुआ। इसी प्रकार वर्ष 2016–17 के पुनः निर्धारित आंकलन में रू. 365734.00 लाख आवंटित किया गया था जिसमें से रू. 310430.38 लाख का व्यय हुआ।</td></tr>
<tr><td>(ग) क्या यह भी सत्य है कि लाडली योजना पर व्यय में निरन्तर कमी आ रही है और यह खर्चा 112.29 करोड़ से घटकर सिर्फ 96.68 करोड़ हो गया है; और</td><td>महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार लाड़ली योजना पर पिछले पांच (05) वर्षों में आवंटित बजट और योजना पर किए गए व्यय का ब्यौरा निम्न प्रकार है:–
<table>
<tr><th>क्र. सं.</th><th>वित्त वर्ष</th><th>आवंटित बजट (रू. करोड़ में)</th><th>किया गया व्यय (रू. करोड़ में)</th></tr>
<tr><td>1</td><td>2012–13</td><td>95.50</td><td>95.50</td></tr>
<tr><td>2</td><td>2013–14</td><td>104.00</td><td>103.88</td></tr>
<tr><td>3</td><td>2014–15</td><td>96.00</td><td>95.64</td></tr>
<tr><td>4</td><td>2015–16</td><td>103.04</td><td>101.92</td></tr>
<tr><td>5</td><td>2016–17</td><td>97.72</td><td>96.67</td></tr>
</table>
चालू वित्त वर्ष 2017–18 में आवंटित बजट रू. 100.00 करोड़ है जिसमें से फरवरी माह तक रू. 83.81 करोड़ का व्यय किया जा चुका है।</td></tr>
<tr><td>(घ) यदि हॉ, तो सरकारी स्कूलों में पढ़ने के प्रति बच्चों को आकर्षित करने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किये जा रहे हैं?</td><td>शिक्षा निदेशालय द्वारा किये गये प्रयास :–
1. चुनौती 2018
2. मिशन बुनियाद
3. प्रगति किताबें
4. आनलाइन ट्रांसफर एवं एडमिशन
5. परिचय सेशन
6. स्कूल आफ एक्सीलेंस
7. मेगा पी.टी.एम.
8. वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा स्कूलों को गोद लेना
9. टीचर ट्रेनिंग फेसिलिटी
10. पुस्तकालय
11. समर केम्प
12. यूथ पार्लियामेंट
13. सेल्फ डिफेंस ट्रेनिंग
14. पब्लिकेशन
15. एसेसमेंट यूनिट
16. कंप्यूटर आधारित कक्षायें
17. खेलों को प्रोत्साहन
18. रूचिकर पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियॉ</td></tr>
</table>